



बुलंद गोंदिया की द्वितीय वर्षगांठ पर शुभचिंतकों ने की शुभकामनाओं की बारिश

निष्पक्षता व निर्भीकता के साथ नई ऊंचाइयों पर पहुंचे बुलंद गोदिया - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल



बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले का हिंदी साप्ताहिक बुलंद गोंदिया 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस व आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर अपने 2 वर्ष पूर्ण कर तृतीय वर्ष में पदार्पण किया। इस अवसर पर शुभचिंतकों, पाठकों व मित्र परिवार द्वारा शुभकामनाओं की बारिश की गई। इस अवसर पर गोंदिया के लोकप्रिय पूर्व विधायक गोपालदास

अग्रवाल ने कार्यालय में पहुंचकर अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि बुलंद गोंदिया द्वारा अपने 2 वर्ष पूर्ण कर तृतीय वर्ष में पदार्पण किया है। तथा 2 वर्षों में जिले की विभिन्न समस्याओं को प्रतिदिन की खबरें निष्पक्ष तरीके से सोशल मीडिया पोर्टल का माध्यम तथा समाचार पत्र के माध्यम से उपलब्ध करवा रहा है। बुलंद गोंदिया निष्पक्षता और निर्भीकता से आगे बढ़ते हुए नई सफलता प्राप्त करे ऐसी शुभकामनाएं दी।



उल्लेखनीय की बुलंद गोंदिया के शुभारंभ के डेढ़ वर्ष में अधिकांश समय कोरोना संक्रमण की चपेट में था। लेकिन इसके बावजूद समाचार और खबरों में निरंतरता बनाए रखते हुए सभी पाठकों तक नियमित सभी प्रकार की खबरों को निष्पक्ष तरीके से पहुंचाने का कार्य सतत किया। जिसमें जिले के सभी पाठक व शुभचिंतकों का महत्वपूर्ण योगदान भी रहा है। द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर कार्यालय में पहुंचकर शहर के गणमान्य प्रतिष्ठित नागरिकों व विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों द्वारा शुभकामनाएं दी।



जिसमें पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, पूर्व सभापति व युवा नेता राकेश ठाकुर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, इंजीनियर सुरेश पिपलेवार, शिखा पिपलेवार, दैनिक कशिश के प्रधान संपादक शम्मी जायसवाल, नगर परिषद की पूर्व पार्षद एड.हेमलता पतेह, सामाजिक कार्यकर्ता शशिकुमार पतेह, पत्रकार



दिलीपसिंह लिलहारे, पत्रकार नरेंद्र सिंझामे, पत्रकार जावेद खान, नागेंद्रनाथ भैयू चौबे, राजू एन. जैन, नानू मुदलियार, यशपाल डोंगरे, कृष्णपाल गुप्ता, सपन मन्ना, अजय दमाहे, वृक्षधरा फाउंडेशन के ओम बारेवार, दिलीप चकोले, राहुल तिराले, संजय पाठक, पत्रकार गोपाल अग्रवाल, पत्रकार मुकेश मिश्रा, यशपाल डोंगरे, बजरंग सेना के विदर्भ प्रमुख रविंद्र मिश्रा, दीवान जैन, बापजी महेश बंग, हरीश



अनवाणी, डॉ.पीयूष पटले, विजय तिवारी, निलेश फुलबांधे, नितेश बाजपेई, शारदा अग्रवाल, जयंत अग्रवाल, सुरेश टेंभरे, हेमंत येरने, सचिन ठाकुर, धनेंद्र भुरले, नानू चौधरी, अनिल मदनकर, शैलेंद्र सरजारे, विन्जम, राम भारद्वाज, राजेंद्र तिवारी, सुचिता अग्रवाल, प्रेरणा तिवारी, तान्या शर्मा, विभोर अग्रवाल स्वयं पहुंचकर व 15 अगस्त को हो रही मूसलाधार बारिश के चलते अनेक शुभचिंतकों द्वारा



फोन व व्हाट्सएप पर प्रधान संपादक अभिषेक चौहान, संपादक नवीन अग्रवाल व प्रबंधक संतोष जाधव को शुभकामना प्रेषित कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



वर्षा के दौरान हुए नुकसान की जांचकर बाढ़ पीड़ितों को शत-प्रतिशत सहायता प्रदान करें - विधायक विनोद अग्रवाल

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर एसडीओ, तहसीलदार, अप्पर तहसीलदार कृषि अधिकारी को दिया निर्देश



बुलंद गोंदिया - पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से जिले में 200 प्रतिशत बारिश हुई है और इस बारिश से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को साथ ही शहर के अन्य इलाकों में काफी नुकसान हुआ है। जिसमें भारी मात्रा में फसलों को नुकसान पहुंचा है और कई किसानों की फसलें पानी में पूर्ण रूप से डूब गई हैं। फसल पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है इसमें पूर्ण रूप से नुकसान हो गया है। भारी बारिश से फसल को भी 100 प्रतिशत नुकसान होगा। जिससे फसल पर पुष्परिणाम होंगे और उत्पादन की क्षमता कम होंगी। क्षेत्र के कई इलाकों पानी संचित होने से उजाला की फसल का भी 50 प्रतिशत नुकसान होना तय है। इसमें तो सभी किसानों को मदद करना अनिवार्य है अन्यथा किसानों को भारी नुकसान करना पड़ेगा। इस भारी बारिश में कई लोगों के घर ध्वस्त हो चुके हैं तो कई लोगों की दीवारें और छाने भी पूर्ण रूप से मिट्टी में तब्दील हो गई हैं। पालतू जानवरों के गोठे भी पूर्ण रूप से ढह गए हैं और उसमें जानवरों के

भी मौत हो चुकी हो साथ ही उसमें जानवरों का चारा भी संपूर्ण रूप से नष्ट हो चुका है, मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे निर्माण हो चुके हैं। जिसके कारण दुर्घटना होने की संभावना है और रास्तों की अवस्था बहुत ही खराब हो चुकी है अनेक जगहों पर बाढ़ पर स्थित निर्माण होने से अनेक लोग बाढ़ में बहकर चले जाने से उनकी मृत्यु हो गई है। इस बारिश के वजह से काफी नुकसान पहुंचा है। विधायक विनोद अग्रवाल ने दो दिवसीय बाढ़ग्रस्त भाग का दौरा कर खुद स्वयं खंडे रहकर नुकसान का जायजा लिया और एसडीएम तहसीलदार, जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि तत्काल पंचनामा कर शासन को प्रस्ताव प्रेषित करें और बाढ़ ग्रस्त को 100 प्रतिशत मदद दे ऐसे निर्देश दिए।

काठिनाइयों की इस विकट परिस्थितियों में मैं सदैव जनता के साथ में - विधायक विनोद अग्रवाल लगातार बारिश की वजह से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है जिसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने प्रत्येक जगह पर लोगों से बातचीत कर और प्रत्यक्ष भेंट देकर सभी को आश्वस्त किया और कहा कि मैं इस संकट की परिस्थितियों में आपके साथ सदैव खड़ा हूं। किसी प्रकार की मदद लगने पर मैं आपके हर समस्या में मदद करता रहूंगा और किसी प्रकार की मदद लगती है तो आप मुझे संपर्क कर सकते हैं तथा मेरे कार्यालय से किशोर कटरे 9325326505, अभय गौतम 9326268239, सचिन बोपचे 9284436025 इन्हें संपर्क करें। बाढ़ग्रस्त और पीड़ितों को पूर्ण रूप से मदद मिलेगी, ऐसा विधायक ने जनता को आश्वासन दिया। साथ ही बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री इनसे फोन द्वारा चर्चा कर अग्रगत कराया जिस पर उन्होंने सभी को मदद देने का आश्वासन दिया।

बाढ़ग्रस्त भागों में दौरे के दौरान विधायक विनोद अग्रवाल, जिलाधिकारी नयना गुंडे, अतिरिक्त जिलाधिकारी राजेश खवले, आपत्ती व्यवस्थापन



अधिकारी राजन चौबे, उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार खांडे, अप्पर तहसीलदार खंडतकर, खंड विकास अधिकारी चौरागडे, कृषी अधिकारी तुमडाम, पंचायत समिती सभापती मुनेश रहांगडाले, भाऊराव उके, छत्रपाल तुरकर, रामराज खरे, धनंजय तुरकर, ज्ञानचंद जर्मईवार, अनंदा वाढीवा जिप सदस्य काटी, जितेश्वरी रहांगडाले प.स. सदस्य काटी, मंजू डोंगरे प.स.सदस्य दासगाँव, हिरामन डहाट प.स.सदस्य नवेगाँव, अनिल मते, शिव भोयर, लुक्केश बंसपाल, धनंजय अंबुले, अमृतलाल तुरकर, रवि सूर्यवंशी, अशोक गोरवले, निलू असाटी, गौरव तुरकर, अजय जमरे सचिव काटी, मनीष लांजेवार, लतिश मेश्राम, तेजलाल कावरे, बोरकर तलाठी, इसुलाल कहनावत, गुलाब नागदिवे, रमेश नागफासे, छगनलाल माने, ओमकार नागफासे, केशव नागफासे, शिवलाल जमरे प.स.सदस्य, भरत जमरे प.स. सदस्य, फागुलाल नागफासे इत्यादी कार्यकर्ता व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने किया बाढ़ क्षेत्र का दौरा

नदी क्षेत्र के ग्राम कासा पहुंचकर सुनी पीड़ितों की आपबीती



राजेंद्र जैन ने तत्काल मदत करने की शासन से मांग की

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में पिछले कुछ दिनों से जारी सतत मूसलाधार बारिश से पूरे जिले में बाढ़ के हालात निर्माण हो गए हैं। नदी-नाले, जलाशय उफान पर हैं। बाढ़ से फसलें चौपट हो गईं वहीं घरों एवं मवेशियों के कोठों में पानी घुसने से दीवारें क्षतिग्रस्त व टूटफूट गई हैं। इस बाढ़ स्थिति का जायजा लेने सांसद प्रफुल पटेल के प्रतिनिधि बनकर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने बाढ़ क्षेत्रों का जायजा लिया। गोंदिया तहसील के काटी समीप कासा ग्राम व आसपास के क्षेत्र में पहुंचकर वर्तमान हालातों का जायजा व बाढ़ से पीड़ित ग्रामीणों व किसानों की आपबीती सुनी। इस दौरान देखा गया कि अनेक गावों का वैनगंगा व बाघ नदी में बाढ़ आने से संपर्क टूट गया है। बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। मकानों क्षतिग्रस्त व मवेशियों के कोठे ढह गए हैं।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने तत्काल स्थिति

का संज्ञान लेकर बाढ़ पीड़ित परिवारों को मदद एवं सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाने के लिये जिलाधिकारी, गोंदिया से संपर्क कर प्रशासन से हरसंभव मदत का आश्वासन दिलाया। इस दौरान उपस्थित उपविभागीय अधिकारी परवनी पाटिल व गोंदिया ग्रामीण के तहसीलदार खंडाते से बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के परिवारों को हरसंभव सहायता व सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की। गोंदिया के बाढ़ पीड़ित क्षेत्र का जायजा लेकर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के परिवारों को सांसद प्रफुल पटेल के माध्यम से हरसंभव मदत पहुंचाने का आश्वासन दिया। बाढ़ के हालातों का जायजा लेने के दौरान पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के साथ केतन तुरकर, रजनी गौतम, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, गौरव तुरकर, कालू चव्हाण, अजय जमरे, राजू तुरकर, रौनक ठाकुर, संदीप वाढीवे, अमृत तुरकर, अतुल कोल्हटकर, बबलू लांजेवार, आशीष चौहान, जितेंद्र चौहान, मोनू ऊके, कैलाश कालबांधे, दिनेश चौधरी, धर्मेन्द्र परिमल व ग्रामीण व बाढ़ पीड़ित अन्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

विकसित देश का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से अगले 25 वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनने का एक नया लक्ष्य रखा। इसके लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि विपक्ष के साथ उसका अच्छा तालमेल बना रहे।

आजादी की 76वीं वर्षगांठ के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ठीक ही उसे बड़ा लक्ष्य देने की कोशिश की। हालांकि प्रधानमंत्री देश के शासनाध्यक्ष होते हैं और इस लिहाज से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए जाने वाले उनके भाषण में अक्सर सरकार की उपलब्धियों और चुनौतियों का ब्योरा भी होता है। लेकिन एक तो यह आजादी की कोई सामान्य वर्षगांठ नहीं बल्कि उसके 75 साल पूरे होने का मौका था, जिसे अमृत महोत्सव के रूप में देश भर में सेलिब्रेट किया जा रहा है।

दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी अन्य प्रधानमंत्रियों से इस मामले में जरूर खास हैं कि वह किसी भी मौके को रूखी औपचारिकताओं के साथ गुजर जाने देने के बजाय उसे सर्वाधिक उत्कृष्ट रूप देने की कोशिश करते हैं ताकि उससे निकला संदेश दूर तक और देर तक महसूस किया जाता रहे। आश्चर्य नहीं कि इस मौके पर उन्होंने देश के सामने आजादी के शताब्दी वर्ष तक यानी अगले 25 वर्षों में विकसित राष्ट्र बनने का एक नया लक्ष्य रखा और देशवासियों से पंच प्रण लेने का आह्वान किया।

ये पंच प्रण- विकसित देश बनाने की दिशा में काम करना, गुलामी के निशान मिटाना, अपनी विरासत पर गर्व करना, विविधता में एकता सुनिश्चित करना और नागरिक कर्तव्यों का पालन करना- पहली नजर में अमूर्त से लग सकते हैं, अलग-अलग नजरिए से इन पर कई तरह के सवाल भी उठाए जा सकते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के नजरिए से देखें तो ये देशवासियों को पॉजिटिविटी से भरने की क्षमता रखते हैं। ये देशवासियों की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल को आसान बना सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर आजादी की लड़ाई में योगदान करने वाले और आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने वाले महापुरुषों को याद किया और महिलाओं के प्रति सम्मान सुनिश्चित करने की खास जरूरत बताई तो भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के रूप में दो सबसे बड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। रोजमर्रा के कामकाज में सरकार की सफलता-असफलता को फिलहाल छोड़ दिया जाए तो इस मौके के अनुरूप राष्ट्र के सामने रखे गए इस अजेंडे में कोई खराबी नहीं है। लेकिन यह तो कहना ही होगा कि इस अजेंडे की भी आखिरी परीक्षा इसी बात से होगी कि इस पर अमल कितना होता है।

दूसरी बात यह ध्यान रखने की है कि यह अजेंडा एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश का है। इसलिए देश के इस स्वरूप को लेकर खास सावधानी बरतने की जरूरत है। सरकार को हर हाल में यह सुनिश्चित करते हुए चलना होगा कि विपक्ष के साथ न केवल उसका अच्छा तालमेल बना रहे बल्कि इनमें से कोई भी अजेंडा या चुनौती विपक्ष को खारिज करने के हथियार के रूप में न इस्तेमाल होने लगे। तभी अगले 25 वर्षों की प्रस्तावित यात्रा सार्थक हो सकती है।



कृष्ण जन्माष्टमी, जिसे जन्माष्टमी वा गोकुलाष्टमी के रूप में भी जाना जाता है, एक वार्षिक हिंदू त्योहार है जो विष्णुजी के दशवतारों में से आठवें और चौबीस अवतारों में से बाईसवें अवतार श्रीकृष्ण के जन्म के आनन्दोत्सव के लिये मनाया जाता है। यह हिंदू चंद्रमण वर्षपद के अनुसार, कृष्ण पक्ष (अंधेरे पखवाड़े) के आठवें दिन (अष्टमी) को भाद्रपद में मनाया जाता है। जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अगस्त व सितंबर के साथ अधिव्यापित होता है।

विशेषता

यह एक महत्वपूर्ण त्योहार है, विशेषकर हिन्दू धर्म की वैष्णव परम्परा में। भागवत पुराण (जैसे रास लीला वा कृष्ण लीला) के अनुसार कृष्ण के जीवन के नृत्य-नाटक की परम्परा, कृष्ण के जन्म के समय मध्यात्रि में भक्ति गायन, उपवास (व्रत), रात्रि जागरण और एक महोत्सव अगले दिन जन्माष्टमी समारोह का एक भाग हैं। यह मणिपुर, असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तथा भारत के अन्य सभी राज्यों में पाए जाने वाले प्रमुख वैष्णव और निर्सांप्रदायिक समुदायों के साथ विशेष रूप से मथुरा और वृंदावन में मनाया जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी के उपरान्त त्योहार नंदोत्सव होता है, जो उस अवसर को मनाता है जब नंद बाबा ने जन्म के सम्मान में समुदाय को उपहार वितरित किए।

कृष्ण देवकी और वासुदेव आनकटुंदुभी के पुत्र हैं और उनके जन्मदिन को हिंदुओं द्वारा जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है, विशेष रूप से गौड़िय वैष्णववाद परम्परा के रूप में उन्हें भगवान का सर्वोच्च व्यक्तित्व माना जाता है। जन्माष्टमी हिंदू परंपरा के अनुसार तब मनाई जाती है जब माना जाता है कि कृष्ण का जन्म मथुरा में भाद्रपद महीने के आठवें दिन की आधी रात को हुआ था।

कृष्ण का जन्म अराजकता के क्षेत्र में हुआ था। यह एक ऐसा समय था जब उत्पीड़न बड़े पैमाने पर था, स्वतंत्रता से वंचित किया गया था, बुराई सब और थी, और जब उनके मामा राजा कंस द्वारा उनके जीवन के लिए संकट था।

भगवान कृष्ण की महानता

कृष्ण, भगवान विष्णु के अवतार हैं, जो तीन लोक के तीन गुणों सतगुण, रजगुण तथा तमोगुण में से सतगुण विभाग के प्रभारी हैं। भगवान का अवतार होने की वजह से

कृष्ण में जन्म से ही सिद्धियां मौजूद थीं। उनके माता पिता वसुदेव और देवकी के विवाह के समय मामा कंस जब अपनी बहन देवकी को ससुराल पहुँचाने जा रहा था तभी आकाशवाणी हुई थी जिसमें बताया गया था कि देवकी का आठवां पुत्र कंस को मारेगा। अर्थात् यह होना पहले से ही निश्चित था अतः वसुदेव और देवकी को जेल में रखने के बावजूद कंस कृष्ण को नहीं मार पाया।

मथुरा की जेल में जन्म के तुरंत बाद, उनके पिता वसुदेव आनकटुन्दुभी कृष्ण को यमुना पार ले जाते हैं, ताकि माता-पिता का गोकुल में नंद और यशोदा नाम दिया जा सके। जन्माष्टमी पर्व लोगों द्वारा उपवास रखकर, कृष्ण प्रेम के भक्ति गीत गाकर और रात में जागरण करके मनाई जाती है।

हालांकि श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार व्रत-उपवास तथा जागरण को शास्त्र विरुद्ध साधना कहा है। (अध्याय 6 का श्लोक 16)

(भगवान उवाच)

न, अति, अश्रनतः, तु, योगः, अस्ति, न, च, एकान्तं, अनश्रनतः

न, च, अति, स्वप्नशीलस्य, जाग्रतः, न, एव, च, अर्जुन।

हे अर्जुन ! यह योग न तो बहुत खाने वाले का, न बिलकुल न खाने वाले का, न बहुत शयन करने के स्वभाव वाले का और न सदा जागने वाले का ही सिद्ध होता है।

मध्यात्रि के जन्म के बाद, शिशु कृष्ण की मूर्तियों को धोया और पहनाया जाता है, फिर एक पालने में रखा जाता है। इसके बाद भक्त भोजन और मिठाई बांटकर अपना उपवास तोड़ते हैं। महिलाएं अपने घर के दरवाजे और रसोई के बाहर छोटे-छोटे पैरों के निशान बनाती हैं जो अपने घर की ओर चलते हुए, अपने घरों में कृष्ण के आने का प्रतीक माना जाता है।

समारोह

कुछ समुदाय कृष्ण की किंवदंतियों को मकखन चोर के रूप में मनाते हैं।

हिंदू जन्माष्टमी को उपवास, गायन, एक साथ प्रार्थना करने, विशेष भोजन तैयार करने और साझा करने, रात्रि जागरण और कृष्ण या विष्णु मंदिरों में जाकर मनाते हैं। प्रमुख कृष्ण मंदिर में भागवत पुराण और भगवद गीता के पाठ का आयोजन करते हैं। कई समुदाय नृत्य-नाटक कार्यक्रम आयोजित करते हैं जिन्हें रास लीला वा कृष्ण लीला कहा जाता है। रास लीला की परंपरा विशेष रूप से मथुरा क्षेत्र में, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जैसे मणिपुर और असम में और राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में लोकप्रिय है। यह शैिकिया कलाकारों की कई टीमों द्वारा अभिनय किया जाता है, उनके स्थानीय समुदायों द्वारा उत्साहित किया जाता है, और ये नाटक-नृत्य नाटक प्रत्येक जन्माष्टमी से कुछ दिन पहले शुरू होते हैं।

महाराष्ट्र

जन्माष्टमी (महाराष्ट्र में गोकुलाष्टमी के रूप में लोकप्रिय), नांटेड़ (गोपालचावड़ी, लिम्बगांव), मुंबई, लातूर, नागपुर और पुणे जैसे शहरों में मनाई जाती है। दही हांडी कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन हर अगस्त/सितंबर में मनाई जाती है। यहां लोग दही हांडी को तोड़ते हैं जो इस त्योहार का एक हिस्सा है। दही हांडी शब्द का शाब्दिक अर्थ है दही का मिट्टी का बर्तन। त्योहार को यह लोकप्रिय क्षेत्रीय नाम शिशु कृष्ण की कथा से मिलता है। इसके अनुसार, वह दही और मकखन जैसे दुग्ध उत्पादों की तलाश और चोरी करते थे और लोग अपनी आपूर्ति को बच्चे की पहुंच से बाहर छिपा देते थे। कृष्ण अपनी खोज में हर तरह के रचनात्मक विचारों को आजमाते थे, जैसे कि अपने दोस्तों के साथ इन क्षेत्रों

जन्माष्टमी

लटकते बर्तनों को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाना। यह कहानी भारत भर में हिंदू मंदिरों के साथ-साथ साहित्य और नृत्य-नाटक प्रदर्शनों की कई राहों का विषय है, जो बच्चों की आनंदमय मामूमियत का प्रतीक है, कि प्रेम और जीवन का खेल ईश्वर की अभिव्यक्ति है।

महाराष्ट्र और भारत के अन्य पश्चिमी राज्यों में, इस कृष्ण कथा को जन्माष्टमी पर एक सामुदायिक परंपरा के रूप में निभाया जाता है, जहां दही के बर्तनों को ऊंचे ढंडे से या किसी इमारत के दूसरे या तीसरे स्तर से लटकी हुई रस्सियों से ऊपर लटका दिया जाता है। वार्षिक परंपरा के अनुसार, गोविंदा कहे जाने वाले युवाओं और लड़कों की टीमें इन लटकते हुए बर्तनों के चारों ओर नृत्य और गायन करते हुए जाती हैं, एक दूसरे के ऊपर चढ़ती हैं और एक मानव पिरामिड बनाती हैं, फिर बर्तन को तोड़ती हैं। गिराई गई सामग्री को प्रसाद के रूप में माना जाता है। यह एक



सार्वजनिक तमाशा है, एक सामुदायिक कार्यक्रम के रूप में उत्साहित और स्वागत किया जाता है।

समकालीन समय में, कई भारतीय शहर इस वार्षिक हिंदू अनुष्ठान को मनाते हैं। युवा समूह गोविंदा बनाते हैं, जो विशेष रूप से जन्माष्टमी पर पुरस्कार राशि के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। इन समूहों को मंडल या हांडी कहा जाता है और वे स्थानीय क्षेत्रों में घूमते हैं, हर अगस्त में अधिक से अधिक बर्तन तोड़ने का प्रयास करते हैं। सामाजिक हस्तियां और मीडिया उत्सव में भाग लेते हैं, जबकि निगम कार्यक्रम के कुछ हिस्सों को प्रायोजित करते हैं। गोविंदा टीमों के लिए नकद और उपहार की पेशकश की जाती है, और टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, 2014 में अकेले मुंबई में 4, 000 से अधिक हांडी पुरस्कारों से लबरेज थे, और गोविंदा की कई टीमों ने भाग लिया था।

गुजरात और राजस्थान

गुजरात के द्वारका में लोग - जहां माना जाता है कि कृष्ण ने अपना राज्य स्थापित किया था - दही हांडी के समान एक परंपरा के साथ त्योहार मनाते हैं, जिसे माखन

हांडी (ताजा मथने वाले मकखन के साथ बर्तन) कहा जाता है। अन्य लोग मंदिरों में लोक नृत्य करते हैं, भजन गाते हैं, कृष्ण मंदिरों जैसे द्वारकाधीश मंदिर या नाथद्वारा जाते हैं। कच्छ जिले के क्षेत्र में, किसान अपनी बैलगाड़ियों को सजाते हैं और सामूहिक गायन

और नृत्य के साथ कृष्ण जुलूस निकालते हैं।

वैष्णववाद के पुष्टिमार्ग के विद्वान दयाराम की कार्निवल-शैली और चंचल कविता और रचनाएँ, गुजरात और राजस्थान में जन्माष्टमी के दौरान विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

उत्तरी भारत

जन्माष्टमी उत्तर भारत के ब्रज क्षेत्र में सबसे बड़ा त्योहार है, मथुरा जैसे शहरों में जहां हिंदू परंपरा कहती है कि कृष्ण का जन्म हुआ था, और वृंदावन में जहां वे बड़े हुए थे। उत्तर प्रदेश के इन शहरों में वैष्णव समुदाय, साथ ही अन्य राज्य राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और हिमालय उत्तर के स्थानों में जन्माष्टमी मनाते हैं। कृष्ण मंदिरों को सजाया जाता है और रोशनी की जाती है, वे दिन में कई आगंतुकों को आकर्षित करते हैं, जबकि कृष्ण भक्त भक्ति कार्यक्रम आयोजित करते हैं और रात्रि जागरण करते हैं। भक्तजन मिठाई बांटते हैं।

त्योहार आम तौर पर वर्षा ऋतु में पड़ता है। फसलों से लदे खेतों और ग्रामीण समुदायों के पास खेलने का समय है। उत्तरी राज्यों में, जन्माष्टमी को रासलीला परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ है खुशी का खेल (लीला), सार (रस)। इसे जन्माष्टमी पर एकल या समूह नृत्य और नाटक कार्यक्रमों के रूप में व्यक्त किया जाता है, जिसमें कृष्ण से संबंधित रचनाएं गाई जाती हैं। कृष्ण के बचपन की शरारतें और राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंग विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। क्रिश्चियन रॉय और अन्य विद्वानों के अनुसार, ये राधा-कृष्ण प्रेम कहानियां दैवीय सिद्धांत और वास्तविकता के लिए मानव आत्मा की लालसा और प्रेम के लिए हिंदू प्रतीक हैं।

जम्मू में, छतों से पतंग उड़ाना कृष्ण जन्माष्टमी पर उत्सव का एक हिस्सा है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत

जन्माष्टमी व्यापक रूप से पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के हिंदू वैष्णव समुदायों द्वारा मनाई जाती है। इन क्षेत्रों में कृष्ण जन्माष्टमी को मनाने की व्यापक परंपरा का श्रेय शंकरदेव और चौतन्य महाप्रभु के प्रयासों और शिक्षाओं को जाता है। उन्होंने दार्शनिक विचारों के साथ-साथ हिंदू भगवान कृष्ण को मनाने के लिए प्रदर्शन कला के नए रूप विकसित किए जैसे कि बोंगेट, अंकिया नाट, सत्तरिया और भक्ति योग अब पश्चिम बंगाल और असम में लोकप्रिय हैं। आगे पूर्व में, मणिपुर के लोगों ने मणिपुरी नृत्य रूप विकसित किया, एक शास्त्रीय नृत्य रूप जो अपने हिंदू वैष्णववाद विषयों के लिए जाना जाता है, और जिसमें सत्तरिया की तरह रासलीला नामक राधा-कृष्ण की प्रेम-प्रेरित नृत्य नाटक कला शामिल है। ये नृत्य नाट्य कलाएं इन क्षेत्रों में जन्माष्टमी परंपरा का एक हिस्सा हैं, और सभी शास्त्रीय भारतीय नृत्यों के साथ, प्राचीन हिंदू संस्कृत पाठ नाट्य शास्त्र में प्रासंगिक जड़ें हैं, लेकिन भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच संस्कृति संलयन से प्रभावित हैं।

जन्माष्टमी पर, माता-पिता अपने बच्चों को कृष्ण की किंवदंतियों, जैसे कि गोपियों और कृष्ण के पात्रों के रूप में तैयार करते हैं। मंदिरों और सामुदायिक केंद्रों को क्षेत्रीय फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है, जबकि समूह भागवत पुराण और भगवत गीता के दसवें अध्याय का पाठ करते या सुनते हैं।

मंकीपॉक्स से मुकाबला

टीका विकसित करने पर जोर

भारत में मंकीपॉक्स ने दस्तक दे दी है। दिल्ली में 3 और मामले आने के बाद भारत में इस वायरस से संक्रमित होने वाले कुल मामलों की संख्या 8 हो गई हैं। जानकार मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में केस बढ़ सकते हैं। इसके बाद इससे मुकाबला करने के लिए टीका विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

देश में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामले अब थोड़ी चिंता पैदा कर रहे हैं। मंगलवार को राजधानी दिल्ली में और केरल में इसका एक-एक और केस सामने आया। दिल्ली का यह तीसरा मामला है और इसमें संक्रमित व्यक्ति का हालिया विदेश यात्रा का कोई रेकॉर्ड भी नहीं है। इसके बाद देश में मंकीपॉक्स के मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 8 हो गई है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ सकती है। इन पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों के संपर्क में आए 50 लोगों के नमूने लिए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। इनमें से कई लोगों में इसके लक्षण देखे जा रहे हैं। स्वाभाविक ही सरकार इसे गंभीरता से ले रही है। अभी से बचाव के इंतजाम किए जा रहे हैं। न केवल अस्पतालों में स्टाफ को इसके लिए तैयार किया जा रहा है बल्कि मंकीपॉक्स के संदिग्ध और कन्फर्म मामलों के लिए अलग-अलग रूम रिजर्व रखने को भी कहा गया है। इसके लिए वैक्सीन तैयार करने के मोर्चे पर भी ध्यान दिया जा रहा है। वैसे तो मंकीपॉक्स के वायरस स्मॉलपॉक्स के वायरस परिवार से ही आते हैं, इसलिए स्मॉलपॉक्स टीकों के कारगर होने की बात कही जा रही है। लेकिन दुनिया भर में इसकी कमी को देखते हुए भारत में स्वनिर्मित टीकों के विकास की संभावनाएं खंगाली जा रही हैं।

पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांवीय से हालिया मुलाकात के बाद इस दिशा में तेजी से प्रगति की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से भी कहा गया है कि वे अपने यहां एयरपोर्ट पर जांच की प्रक्रिया तेज करें और संक्रमित पाए गए लोगों को उड़ान की इजाजत न दें। मंकीपॉक्स अब भी विदेश में कहीं ज्यादा गंभीर रूप में है। इसके दुनिया भर में अब तक करीब 23000 मामले सामने आए हैं, जिनमें से ज्यादातर यूरोपीय देशों में पाए गए हैं। इंसानों में पहली बार 1970 में पाई गई यह बीमारी पिछले पांच दशकों के दौरान मुख्यतः अफ्रीकी देशों तक ही सीमित रही। इस बार पता नहीं कैसे यह दुनिया के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेते हुए कई महादेशों तक फैल गई है।

डब्ल्यूएचओ ने पिछले दिनों इसे ग्लोबल इमर्जेंसी घोषित करते हुए भी कहा था कि इसके संक्रमण के तरीकों के बारे में हमें बहुत ज्यादा मालूम नहीं है। हालांकि जितनी जानकारी उपलब्ध है, उसके मुताबिक इंसानों में इसके संक्रमण के लिए संक्रमित व्यक्ति के साथ बेहद करीबी संपर्क आवश्यक बताया जा रहा है, इसलिए इसका फैलाव रोकना ज्यादा मुश्किल नहीं है। बस जरा सी सावधानी और अनजाने या संदिग्ध व्यक्तियों से दूरी रखने की जरूरत है। उम्मीद करें कि कोरोना के खिलाफ चली लंबी लड़ाई के अनुभव का फायदा उठाते हुए इस वायरस के बेकाबू होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

जन्माष्टमी मणिपुर में उपवास, सतर्कता, शास्त्रों के पाठ और कृष्ण प्रार्थना के साथ मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। मथुरा और वृंदावन में जन्माष्टमी के दौरान रासलीला करने वाले नर्तक एक उल्लेखनीय वार्षिक परंपरा हैं। मीतेई वैष्णव समुदाय में बच्चे लिकोल सन्नाबागेम खेलते हैं।

ओड़िशा और पश्चिम बंगाल

पूर्वी राज्य ओड़िशा में, विशेष रूप से पुरी के आसपास के क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के नबदीप में, त्योहार को श्री कृष्ण जयंती या बस श्री जयंती के रूप में भी जाना जाता है। लोग आधी रात तक उपवास और पूजा कर जन्माष्टमी मनाते हैं। भागवत पुराण कृष्ण के जीवन के सर्मापित एक खंड, 10वें अध्याय से पढ़ा जाता है। अगले दिन को नंदा उत्सव या कृष्ण के पालक माता-पिता नंदा और यशोदा का खुशी का उत्सव कहा जाता है। जन्माष्टमी के पूरे दिन भक्त उपवास रखते हैं। वे अपने अभिषेक समारोह के दौरान गंगा स्नान राधा माधव से पानी लाते हैं। आधी रात को छोटे गंगा माधव देवताओं के लिए एक भव्य अभिषेक किया जाता है, जबकि 400 से अधिक वस्तुओं का भोजन (भोग) भक्ति के साथ उनके प्रभु को अर्पित किया जाता है।

दक्षिण भारत

गोकुला अष्टमी (जन्माष्टमी या श्री कृष्ण जयंती) कृष्ण का जन्मदिन मनाती है। गोकुलाष्टमी दक्षिण भारत में बहुत उत्साह के साथ मनाई जाती है। केरल में, लोग मयायलम कैलेंडर के अनुसार सितंबर को मनाते हैं। तमिलनाडु में, लोग फर्श को कोलम (चावल के घोल से तैयार सजावटी पैटर्न) से सजाते हैं। गीता गोविंदम और ऐसे ही अन्य भक्ति गीत कृष्ण की स्तुति में गाए जाते हैं। फिर वे घर की दहलीज से पूजा कक्ष तक कृष्ण के पैरों के निशान खींचते हैं, जो घर में कृष्ण के आगमन को दर्शाता है। भगवद्गीता का पाठ भी एक लोकप्रिय प्रथा है। कृष्ण को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में फल, पान और मकखन शामिल हैं। कृष्ण की पसंदीदा मानी जाने वाली सेवइयां बड़ी सावधानी से तैयार की जाती हैं। उनमें से सबसे महत्वपूर्ण हैं सीदाई, मीठी सीदाई, वेरकादलाई उरंडाई। यह त्योहार शाम को मनाया जाता है क्योंकि कृष्ण का जन्म मध्यात्रि में हुआ था। ज्यादातर लोग इस दिन सख्त उपवास रखते हैं और आधी रात की पूजा के बाद ही भोजन करते हैं।

आंध्र प्रदेश में, श्लोकों और भक्ति गीतों का पाठ इस त्योहार की विशेषता है। इस त्यौहार की एक और अनूठी विशेषता यह है कि युवा लड़के कृष्ण के रूप में तैयार होते हैं और वे पड़ोसियों और दोस्तों से मिलते हैं। विभिन्न प्रकार के फल और मिठाइयों सबसे पहले कृष्ण को अर्पित की जाती हैं और पूजा के बाद इन मिठाइयों को आंगंतुकों के बीच वितरित किया जाता है। आंध्र प्रदेश के लोग भी उपवास रखते हैं। इस दिन गोकुलनंदन चढ़ाने के लिए तरह-तरह की मिठाइयां बनाई जाती हैं। कृष्ण को प्रसाद बनाने के लिए दूध और दही के साथ खाने की चीजें तैयार की जाती हैं। राज्य के कुछ मंदिरों में कृष्ण के नाम का आनंदपूर्वक जप होता है। कृष्ण को समर्पित मंदिरों की संख्या कम है। आंध्र प्रदेश के कारण यह है कि लोगों ने मूर्तियों के बजाय चित्रों के माध्यम से उनकी पूजा की जाती है।

कृष्ण को समर्पित लोकप्रिय दक्षिण भारतीय मंदिर हैं, तिरुवरुर जिले के मन्नारगुड़ी में राजागोपालस्वामी मंदिर, कांचीपुरम में पांडवधृतर मंदिर, उडुपी में श्री कृष्ण मंदिर और गुरुवायुर में कृष्ण मंदिर विष्णु के कृष्ण अवतार की स्मृति को समर्पित हैं। किंवदंती कहती है कि गुरुवायुर में स्थापित श्री कृष्ण की मूर्ति द्वारका की है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह समुद्र में डूबी हुई थी।

साम्भार : विकिपिडिया

स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते ध्वजारोहण

नए रेलवे उड़ान पुल निर्माण को गति के साथ ही शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की होंगी स्थापना



बुलंद गोंदिया - 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ तथा आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर गोंदिया शहर में के विभिन्न स्थानों पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते ध्वजारोहण किया गया। जिसमें सुभाष चौक, विमलताई स्कूल के पास कटंगी, साई नगर मरारटोली टी-पाईट चौक, साकेत पब्लिक स्कूल, मारवाड़ी स्कूल, राजस्थान कन्या विद्यालय, गौतम नगर, मदीना मस्जिद चौक गौतम नगर, कुम्हारटोली, आशीर्वाद धर्मकांटा के सामने, श्री राम चौक सर्कस ग्राउंड, राजीव गांधी चौक फूलचूर नाका, जयस्तंभ चौक काली पीली टैक्सी स्टैंड, बसंत नगर, रामनगर बाजार चौक, गेडाम पेंटर चौक सूर्या टोला इन स्थानों पर ध्वजारोहण संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व विधायक अग्रवाल ने कहा कि भारत देश को हम हिंदुस्तानियों ने मां का दर्जा दिया है तथा भारत मां की रक्षा और हर भारतीय का आर्थिक सामाजिक विकास हम सभी की प्राथमिकता है। वर्तमान में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में देश में नयी क्रांतिकारी गतिविधियां हो रही हैं जिससे देश विकास और प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। देश को एक अखंड राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए बरसों से प्रलंबित धारा 370 को संविधान से रद्द कर सरकार ने कश्मीर को देश के अन्य राज्यों के समान दर्जा देकर भारत को एक अखंड राज्य के रूप में प्रस्तावित कर दिया है। सदियों से प्रलंबित अयोध्या में श्री राम मंदिर के विषय को हल कर देश को सामाजिक स्तर पर एक करने की ओर कदम बढ़ा दिया है। इन

निर्णयों से समाज में एक सकारात्मक बदलाव आ रहा है। आगे उन्होंने कहा कि विकास की रफ्तार में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र को आगे रखने का हर संभव प्रयास हमने किया है। आज जय स्तंभ चौक पर खड़े होकर हम गोंदिया शहर को एक नए स्वरूप में देख रहे हैं तथा नया उड़ान पुल, प्रशासकीय भवन, न्यायालय परिसर, पुलिस कर्मियों के लिए 165 निवास का निर्माण विकास का प्रतीक है। वहीं शहर का पूर्वी बायपास मार्ग, भव्य पेयजल आपूर्ति योजना के निर्माण से घर-घर में शुद्ध पेयजल की पूर्ति हो रही है। शहर विकसित शहर की श्रेणी में आ चुका है। साथ ही युवाओं को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण देकर उनके हाथ मजबूत करने का प्रयास किया, जिसमें शासकीय मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज जैसे अनेक शासकीय शिक्षण संस्थाओं को स्थापित कराया। किंतु आज देख कर बहुत दुख होता है कि विधानसभा चुनाव के बाद गोंदिया विधानसभा क्षेत्र विकास को पुनः जंग लगने लगी है तथा गत 3 वर्षों में

कोई भी सकारात्मक विकास कार्य नहीं हुये है। यहां पर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू कराना चाहते थे, लेकिन इस दिशा में वर्तमान विधायक ने कोई प्रयास नहीं किया। किंतु हम शहर के रेलवे उड़ान पुल के स्थान पर नई उड़ान पुल का निर्माण को गति प्रदान करने का प्रयास व शहर में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही पिंडकेपार सिंचाई प्रकल्प बाघ नदी पर बांध का निर्माण भी ठंडे बस्ते में चला गया है। गत दिनों बड़े पैमाने पर फुटपाथ दुकानदारों की दुकानें नेताओं के निर्देश पर उजाड़ी गई। जिसमें अनेक पर बेरोजगारी का साया मंडरा रहा है। वर्तमान के सत्ताधारी का ध्यान सिर्फ भूमिगत गटर योजना के ठेकेदार और शासकीय धान खरीदी संस्थाओं को तंग कर कमीशन खोरी में लगा हुआ है। आज उन नेताओं को जनता की परवाह नहीं है।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अशोक चौधरी, प्रकाश रहमतकर, पंकज राहंगडाले, सुनील केलनका, राकेश ठाकुर, भावना कदम, अमित झा, जयंत शुक्ला, योगराज राहंगडाले, सचिन बंटी मिश्रा, मनोज पटनायक, वेंकट पाथरु, सीताराम अग्रवाल, श्यामका सर, गोविंद अग्रवाल, शुद्धोधन सहारे, गुड्डू कारडा, नरेंद्र चंदवानी, मनोहर आसवानी, महेश आहूजा, कोमल धोटे, अपूर्व अग्रवाल, उमेश शुक्ला, सचिन अवस्थी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित थे।

शिखा पिपलेवार समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित



बुलंद गोंदिया - आजादी के अमृत महोत्सव की बेला पर हिंदी अकादमी मुंबई द्वारा कु. शिखा सुरेश पिपलेवार को समाज भूषण पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद पांडे निर्देशक हिंदी अकेडमी मुंबई, डॉ.अनुराग मजूमदार डीन मुंबई विश्वविद्यालय, सेवानिवृत्त कमांडर बिमान मिस्त्री व डॉ.स्नेहल पिंटो निर्देशक रयान इंटरनेशनल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। शिखा पिपलेवार को समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित होने पर परिजन, शुभचिंतको व मित्र परिवार द्वारा शुभकामनाएं दी।

कसौटी पर मुफ्त

उम्मीदवारों की जीत को सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं के सामने कई तरह के ऐसे दावे और वादे किए जाते हैं, जो कभी पूरे नहीं होते।

किसी भी देश का लोकतंत्र तभी मजबूत बना रह सकता है जब वहां होने वाले चुनाव निष्पक्ष व स्वतंत्र हो और राजनीतिक दलों की ओर से लोगों का मत हासिल करने के लिए लोभ-लाभ का सहारा न लिया जाता हो। लेकिन हमारे देश में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव, अमूमन सभी दलों की ओर से अपने उम्मीदवारों की जीत को सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं के सामने कई तरह के ऐसे दावे और वादे किए जाते हैं, जो कभी पूरे नहीं होते।

इस क्रम में पिछले कुछ समय से इस बात पर सवाल उठने लगे हैं कि चुनावों के दौरान अपने पक्ष में प्रचार करते हुए कई नेता जिस तरह आम लोगों को कोई सामान या सेवा मुफ्त मुहैया कराने का बह-चढ़ कर वादा करते हैं, क्या वह एक तरह से लोभ और लाभ के बदले वोट पाने की कोशिश नहीं होती है? जबकि मतदाताओं का वोट पूरी तरह से सरकारों के कामकाज और जनता के पक्ष में उसके रवैये के आकलन और विवेक पर आधारित होना चाहिए, ताकि सभी स्तरों पर सत्ता से लेकर जमीनी स्तर तक लोकतांत्रिक अवधारणा को मजबूती मिले।

इस मसले पर लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीति को लेकर फिर्कमंद लोगों और समूहों की ओर से लगातार चिंता जताई जाती रही है और कई सवाल उठाए गए हैं। अच्छा यह है कि वोट के लिए मुफ्त चीजों या सेवाओं का सवाल अब सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दायरे में है। इससे संबंधित याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान मुफ्त के वादे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। अब बुधवार को अदालत ने इस मामले में विशेषज्ञ समिति के गठन का संकेत दिया, जो चुनावों के मद्देनजर मुफ्त उपहार के संदर्भ में सुझाव पेश करे।

हालांकि इस संबंध में अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी इस बारे में बात नहीं करती है, क्योंकि सभी जनता को मुफ्त उपहार का प्रस्ताव देना चाहते हैं। क्या यह एक तरह से मतदाताओं की राय या मत को कीमत देकर खरीदने लायक समझा जाना नहीं है? अगर चुनाव बाद कोई चीज या सेवा मुफ्त में लोगों को मुहैया कराई जाती है, उस मद में होने वाले खर्च का बोझ आखिरकार किस पर पड़ता है? इस मसले पर केंद्र सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल ने एक अहम पहलू का उल्लेख किया है कि लोकलुभावन मुफ्त उपहार बांटने का वादा या बांटा जाना मतदाताओं को प्रभावित करता है और अगर इसे नियमों का दायरे में नहीं लाया गया तो इससे देश की आर्थिक स्थिति बदतर हो सकती है।

यह छिपा नहीं है कि चुनावों में अपने उम्मीदवारों की जीत तय करने के लिए किए जाने वाले प्रचार अब विकास और विचार के स्तर पर देश या समाज को समृद्ध करने की बातों के बजाय लोगों को कोई वाहन या लैपटॉप या अन्य सामान देने या बिजली-पानी जैसी सुविधाएं मुफ्त मुहैया कराने के वादों में तब्दील होते जा रहे हैं। जबकि किसी भी देश या क्षेत्र का समग्र और समावेशी विकास जनता को इस रूप में सशक्त करता है, जहां लोगों को कोई सेवा या सामान मुफ्त में लेने की जरूरत नहीं महसूस होती।

मसलन, अगर सबके लिए रोजगार या फिर पर्याप्त आर्थिक आमदनी का जरिया सुनिश्चित कर दिया जाए तो किसी भी व्यक्ति को अपनी जरूरत के किसी सामान या बिजली-पानी जैसी सेवाओं के लिए कीमत चुकाने में क्या असुविधा होगी लेकिन बुनियादी समस्याओं का कोई ठोस हल निकालने के बजाय तात्कालिक और अस्थायी राहतों के जरिए जनता को उलझाए रखने का प्रयास किया जाता है।

गौरीनगर नाले के सीमेंटीकरण से बाढ़ से मिलेंगी निजात - गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में गत दिनों हुई भारी बारिश से शहर के अनेक क्षेत्रों में पानी भर गया व कुछ मकानों को नुकसान हुआ। इस परिस्थिति में गौरी नगर के भाजपा कार्यकर्ता पुरनलाल पाथोड़े के अनुरोध पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने गौरी नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया व भविष्य में ऐसी बाढ़ की रोकथाम हेतु परिसर से लगे नाले के सिमेंटीकरण एवं पाल की ऊंचाई बढ़ाने के संदर्भ में चर्चा की। आगे पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि रामनगर से एनएमडी कॉलेज होते हुए रिंग रोड कटंगी नाका तक नाले के सीमेंटीकरण से टीबी टोली, सूर्याटोला, रिंगरोड परिसर में हर वर्ष आने वाली बाढ़ से राहत मिली है। उसी तरह

गौरी नगर स्थित नाले का भी सीमेंटीकरण होने से इस परिसर में बाढ़ का पानी जल्द से जल्द निकासी हो तथा भविष्य में आने वाली बाढ़ से अस्थाई राहत मिले ऐसी व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर पुरनलाल पाथोड़े ने बताया कि परिसर के कुछ नागरिकों के पास जमीन के स्थाई पट्टे नहीं होने से वे अतिक्रमणकारी कहलाते हैं तथा उन्हें शासकीय शासकीय आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। परिसर में कुछ मकान कच्चे हैं तथा बाढ़ की परिस्थिति में उन्हें ही सबसे ज्यादा परेशानी होती है। गोपालदास अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिक्रमणधारको को शासकीय आवास योजना का लाभ मिले इस हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री एकनाथ

शिंदे से विस्तृत चर्चा हुई है। जल्द ही परिसर के अतिक्रमण धारको को शासन से घर्कुल दिलाने हेतु विशेष आदेश प्राप्त होगा। गौरी नगर के 80 से 100 अतिक्रमणधारक नागरिकों को शासकीय आवास योजना का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर भाजपा उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, पुरनलाल पाथोड़े, मिथुन पटेल, देवेंद्र अग्रवाल, पूर्व पार्षद क्रांति जायसवाल, सुनील तिवारी, भागवत मेश्राम, प्रशांतसिंह चौहान, रमेश बिसेन, शरद इंटनकर, प्यारेलाल मिश्रा, संतोष

मैंडे, संतोष यादव, मुकेश मटाले, आसाराम किरसान, प्रमोद रामटेकरकर, मनोहर खानोरकर, रवि नेवारे, परमेश्वर कनोजे, आनंद मेश्राम, द्वारकाप्रसाद लिहारे, उमेश पाचे, उमेश खोटोले, राजू रहीले, बबली ठाकुर आदि उपस्थित थे।



देवरी में अमृत महोत्सव के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित



बुलंद संवाददाता देवरी - स्वतंत्रता दिवस व आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देवरी तहसील के तहसील कार्यालय, पुलिस स्टेशन व नगर पंचायत कार्यालय में विभिन्न स्पर्धा व कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें रंगोली स्पर्धा, वक्तृत्व स्पर्धा, निबंध स्पर्धा आयोजित की गई तथा विजेता विद्यार्थियों को तहसील, पुलिस व नगर पंचायत विभाग द्वारा सम्मान चिन्ह व प्रशस्तिपत्र देकर गौरवान्वित किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निरंतर हो रही बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। किंतु इसके बावजूद अमृत महोत्सव को संपन्न करने में देवरीवासियों के उत्साह में कमी नहीं आयी। उपरोक्त स्पर्धाओं में स्पर्धाकों द्वारा भारी बारिश में भाग लेकर व प्रशासन द्वारा ध्वजारोहण कर देश प्रेम की मिसाल पेश की।



छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गोंदिया में ६ माह में करेंगे स्थापना - डॉ. मुधोजी भोसले

बुलंद गोंदिया - अखिल भारतीय मराठा महासंघ की सभा शासकीय विश्राम गृह में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर विदर्भ मराठा महासंघ के सलाहकार श्रीमंत राजे जी. मुधोजी महाराज भोसले द्वारा अपने संबोधन में कहा कि गोंदिया में शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित होना चाहिए तथा आगामी 6 माह में प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। जिसके लिए सभी प्रकार की मदद की जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि कोई भी सामाजिक संघटन समाजहित का ही कार्य करता है, किंतु अखिल भारतीय मराठा महासंघ निरंतर मराठा समाज के हितों के लिए कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्पहार पहनाकर शिवाजी महाराज का वंदन कर जयघोष किया गया।

उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में मराठा महासंघ के विदर्भ अध्यक्ष मनोहर कबले, नागपुर विभागीय अध्यक्ष नरेंद्र मोहिते ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा महिला अध्यक्ष सीमा बड़े द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी गई। जिला अध्यक्ष महेंद्र तुपकर द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य व मराठा महासंघ गोंदिया के कार्यों की जानकारी सभा में रखी।

इसके पश्चात विभागीय उपाध्यक्ष दीपक कदम द्वारा गोंदिया में स्थापित होने वाली शिवाजी महाराज की प्रतिमा के संदर्भ में चर्चा कर बताया कि मराठा महासंघ को साथ लेकर जल्द से जल्द मराठा महासंघ की मांग को लेकर शिवाजी महाराज की प्रतिमा का कार्य जल्द ही किया

जाएगा। इसके पश्चात मराठा महासंघ गोंदिया के नवनियुक्त पुरुष व महिला पदाधिकारियों को मुधोजी भोसले व अध्यक्ष महेंद्र तूपकर के हस्ते नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन सचिव मुख्य सचिव आलोक पवार तथा अभार प्रदर्शन श्रुति केकत ने माना। कार्यक्रम की सफलता के लिए संतोष जाधव (सचिव), अवीनाश पवार (कोषाध्यक्ष), संतोष सुरसे (उपाध्यक्ष), मोहन काळे (सहसंयोजक), पंकज तूपकर (सहसंघटक), नारायण सावंत (वरिष्ठ सचिव), सुशील केकत (विभागीय संघटक), सी.भावना कदम (महिला

मुख्यसचिव), सी.मीना तूपकर (महिला सचिव), सी.स्वाती पवार (महिला सचिव) ने अथक प्रयास किये। नवनियुक्त पदाधिकारियों में डॉ.अंकुश शेळके (वरिष्ठ मार्गदर्शक), राजेन्द्र जगताप (मुख्य संघटक), चंद्रकांत सणस (सहसंघटक), विनोद इंगळे (सहसंघटक), डॉ.राजीव शेळके (सहसंयोजक), रितेश वाकचौडे (सहसंयोजक) व महिलाओं में सी.कृती केकत (संघटक), सी.रेखा इंगळे (सहसंघटक), सी.प्रतीभा शीरगरे (सहसंघटक), सी.राधीका वाकचौडे (मुख्यसदस्य), सी.शीतल इंगळे (मुख्यसदस्य), सी.मनीषा पवार (मुख्य सदस्य) को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।



पैसेंजर गाड़ी व मालगाड़ी की टक्कर में ५0 यात्री जख्मी

गुदमा से चुलोद के बीच घटित हुआ हादसा

दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के तीन बोगी उत्तरी ट्रैक से



बुलंद गोंदिया - दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बिलासपुर से नागपुर की ओर जा रही भगत की कोठी एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 20843 बुधवार 17 अगस्त की रात गोंदिया रेलवे स्टेशन में पहुंचने के पूर्व गुदमा से चुलोद के बीच एक ही ट्रैक पर मालगाड़ी व पैसेंजर (यात्री) गाड़ी के आ जाने से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में 50 से अधिक यात्री मामूली रूप से जख्मी हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त दुर्घटना रात 2.30 बजे के दौरान घटित हुई। जब बिलासपुर से नागपुर की ओर आ रही भगत की कोठी एक्सप्रेस उसी ट्रैक पर जा रही मालगाड़ी के अचानक रुक जाने से उससे टकरा गई। इस दुर्घटना के पश्चात ट्रेन की तीन



आजादी के अमृत जयंती वर्ष में जिले के चहुंमुखी विकास का लक्ष्य - जिलाधिकारी नयना गुंडे

उत्साह के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बुलंद गोंदिया - जिले में सरकार और प्रशासन की ओर से आम जनता के हित और जनकल्याणकारी योजनाओं को सही तरीके से लागू किया जा रहा है। सरकार और प्रशासन का लक्ष्य आम नागरिकों का विकास और स्वतंत्रता वर्ष में जिले की प्रगति है। जिलाधिकारी नयना गुंडे ने मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में कहा कि जिले के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। यह अवसर स्वतंत्रता के इतिहास को नई पीढ़ी तक उस व्यापक संघर्ष के माध्यम से पहुंचाने का है जिसके माध्यम से देश को स्वतंत्रता मिली, कई देशभक्तों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इसके पीछे का मकसद देश के प्रति ज्यादा कृतज्ञता पैदा करना है। स्वतंत्रता का अमृत उत्सव जिले में बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने नागरिकों से इस अभियान में भाग लेने और देश के प्रति आभार व्यक्त करने की अपील की।

राज्य सरकार जनहित के निर्णय लेकर आम लोगों, किसानों और समाज के सभी तत्वों के विकास के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को पेट्रोल-डीजल पर वेट कम करने, अधिक जमीन को सिंचाई के दायरे में लाने और लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 50 हजार रुपये की सब्सिडी देने का फैसला किया है। पिछले हफ्ते हुई भारी बारिश के कारण जिले में कृषि और अन्य चीजों को नुकसान पहुंचा है।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते गोंदिया शहर में विविध स्थानों पर ध्वजारोहण

बुलंद गोंदिया - 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के 75 वे अमृत महोत्सव के अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते गोंदिया शहर में विविध स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक मुख्यालय, शितला माता चौक सिविल लाईन्स, सावराटोली सुजुज चौक, बजरंग नगर, गौरी नगर, श्रीमती आनंदीदेवी गोपीलाल अग्रवाल प्राथमिक शाला फुलचुर, रेल्वे वार्ड (काली मंदिर के पास), जमनालालजी बजाज प्रतिमा चौक, झंडा चौक, न्यु लक्ष्मी नगर, फनीन्द्रनाथ चौक, एन.एम.डी. कॉलेज के सामने, टी.बी.टोली पेट्रोल पम्प के पास, राष्ट्रवादी कांग्रेस भवन, रेलटोली में ध्वजारोहण किया गया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने 75 वे अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस पर समस्त नागरिको को बधाई दी। ध्वजारोहण कार्यक्रम मे बहुसंख्या मे गणमान्य नागरीक, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४९६०९, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।

महिला की गला काटकर जघन्य हत्या

बुलंद संवाददाता देवरी - गोंदिया जिले के देवरी तहसील के देवरी शहर में पंचशील चौक निवासी शशिकला साखरे (35) महिला की अज्ञात हत्याओं द्वारा गला काट कर हत्या कर दी गयी। उपरोक्त घटना शाम 5.00 बजे के करीब सामने आई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी के व्यस्त पंचशील चौक के एक मकान में किराए से निवास करने वाली महिला शशिकला मेघनाथ साखरे जो घर में ही रह कर सिलाई का काम करती थी। जिसके पति मेघनाथ साखरे देवरी की एक पॉलिटेक्निक कॉलेज में कर्मचारी हैं। जब



शाम को 5.00 बजे के दौरान मृतक महिला के बच्चे स्कूल से वापस आए तो घर के दरवाजे की संकल लगी दिखाई दी। संकल खोलने पर उन्हें उनकी मां का रक्तंरजित शव दिखाई दिया। इस घटना की जानकारी

देवरी पुलिस को दी गई। देवरी पुलिस को जानकारी प्राप्त होते ही अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर व देवरी पुलिस थाने के निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुड़े घटनास्थल पर पहुंचे तथा मृतक महिला के शव का पंचनामा कर शव विच्छेदन के लिए देवरी के ग्रामीण चिकित्सालय में भेजा गया। उपरोक्त घटना में संभावना जताई जा रही है कि घटना लूट के उद्देश्य हुई है या अन्य कारणों से इन दोनों पहलुओं पर पुलिस द्वारा कड़ाई से जांच शुरु की है। समाचार लिखे जाने तक हत्या का कारण व अज्ञात हत्यारों का पता नहीं लग पाया।

कटंगी कला के सैनिक एवं पुलिस कर्मियों का राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा सत्कार



बुलंद गोंदिया - आजादी का महापर्व अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त को जोरदार बारिश के बावजूद ग्राम कटंगी कला के निवासी समस्त सैनिक एवं पुलिस कर्मियों का देशभक्ति गीत संगीत के द्वारा कटंगी गर्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूजा अखिलेश सेठ सभापति समाज कल्याण विभाग जिला परिषद् गोंदिया एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेंद्र जैन, बालकृष्ण पटेल, महेश लांजेवर, केतन तुरकर, शैलेश वासनिक, उमेश बावनकर मदन चीखलौंडे, दीपक बंसोड, शिवलाल नेवारे, रविकला नागपूरे, राजू महारवाडे, विनोद तीघारे, डॉ.जयंती पटले उपस्थित थे। एस. के. ग्रुप आर्केस्ट्रा के श्याम बघेले द्वारा देश देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में कटंगी कला के प्रथम सैनिक सूबेदार प्रहलाद बघेले, सुभाष बावनकर, महेश कोहडे, दशरथ बघेले, मोड़कू राजत, वामन चौहान, दिनेश हिरपुरे, मुकेश श्रीभद्रे, गणेश बिसेन, खुमेश बिसेन, कमल तिरिरे, मोहन लांजेवर, मानिक बघेले, योगेंद्र रहांगडाले, योगेश माने, आनंद अनकर, महेंद्र कटरे, शेखर पटले,

कृष्णा कटरे, कु. आंचल बघेले, प्रशांत बघेले आदि अनेक लोगों का सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश सेठ ने किया। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों पर सभी सैनिक कार्यकर्ताओं के साथ झूम उठे।

अपने उद्बोधन मे राजेंद्र जैन ने इस कार्यक्रम की सराहना की। वहीं पर सैनिक भाईयो ने भावुक होकर कार्यक्रम के आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफलतार्थ गणेश लांजेवार, प्रेम नागपूरे, सदाशिव वाघाडे, तीर्थराज बघेले, अखिल सिंग, छमेंद्र नागरीकर, राजेश वराडे, दिलीप मोहनकर, प्रताप कृषि, दीपक डोंगरवार, राकेश कडूकार, सावन चंद्रिकापुरे, राजेश डोंगरवार लालित बनसोडे, इशु वघारे, प्रमोद नागपूरे, सुनील मडावी, अतीत राऊत, संदीप मेश्राम, प्रदीप चौधरी, राकेश सोनवाने, राम बघेले, देवा गोखे, हेमेंद्र ठाकुर आदि ने प्रयास किया। राष्ट्रगीत के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ। आभार प्रदर्शन सदाशिव वाघाडे एवं तीर्थ राज बघेले ने माना।



वीरांगना रानी अवंतीबाई जयंती के अवसर पर पौधारोपण



बुलंद गोंदिया - भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली वीरांगना रानी अवंतीबाई की जयंती के अवसर पर रानी अवंतीबाई उद्यान, प्रभाग क्रमांक 11 टीबी टोली परिसर में पूर्व पार्श्व एड. हेमलता शशिकुमार पतेह के मार्गदर्शन में इंजीनियर राजीव ठकरेले व अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में उद्यान समिति के तत्वधान व नारी शक्ति संगठन के सहयोग से पौधारोपण किया गया। उपरोक्त पौधारोपण में उद्यान में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। जिसमें परिसर के नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

स्व.मनोहरभाई पटेल की ५२ वी पुण्यतिथी पर श्रद्धासुमन अर्पित



बुलंद गोंदिया - शिक्षा महर्षी स्वनाम धन्य नेता स्व. मनोहरभाई पटेल की 52 वी पुण्यतिथी के पावन अवसर पर एन.एम.डी व डी.बी सायन्स कॉलेज के परिसर मे स्थित गोंदिया शिक्षण संस्था के मुख्य कार्यालय मे राष्ट्रगान कर संस्था के सचिव राजेंद्र जैन व गणमान्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर संस्था के संचालक निखिल जैन, पूर्व पार्श्व मनोहर वालदे व अनेक उपस्थितों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ७५वें स्वतंत्रता दिवस पर कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव अभियान



बुलंद गोंदिया - स्वास्थ्य विभाग द्वारा 75वें स्वतंत्रता अमृत महोत्सव के अवसर पर कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव जागरुकता अभियान केन्द्र और राज्य सरकारों के दिशा-निर्देशों के अनुसार कोविड की निवारक खुराक बढ़ाने के अभियान के दौरान 18 से 59 आयु वर्ग के नागरिकों को भी मुफ्त बूस्टर मिलेगा। 15 जुलाई 2022 से 30 सितंबर 2022 तक अगले 75 दिनों के लिए सभी सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर खुराक जिले में तहसील स्वास्थ्य अधिकारी की योजना के तहत सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गांवों में सरकारी कोविड टीकाकरण शिविर चल रहा है। बूस्टर डोज लेने वाले लोगों को लेकर गांव-गांव स्वास्थ्य कार्यकर्ता और आशा सेविका जागरुकता कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग जिला परिषद एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन गोंदिया की ओर से 12 अगस्त को कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव अभियान जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान लोगों को कोविड टीकाकरण के बारे में विभिन्न सूचना बोर्डों से अवगत कराया गया। इसमें लोगों को कोविड टीकाकरण के विभिन्न लाभों और कोविड व्यवहार परिवर्तन नियमों की जानकारी के बारे में जागरुक किया गया। डॉ. नितिन वानखेड़े, अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी, दिनेश सुतार जिला महामारी विज्ञान अधिकारी, डॉ. निरंजन अग्रवाल जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अर्चना वानखेड़े जिला आईईसी अधिकारी, प्रशांत खरात जिला आयुष अधिकारी, डॉ. मीना सहित दोनों विभागों के कार्यक्रम समन्वयक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में पिछले कुछ दिनों से कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए प्रशासन ने 15 जुलाई से मुफ्त बूस्टर डोज देना शुरु कर दिया है। जिले को कोविड मुक्त बनाने के लिए नागरिक बूस्टर डोज लें और अपनी सुरक्षा करें और प्रशासन का सहयोग करें।

- डॉ.नितिन वानखेड़े, जिला स्वास्थ्य अधिकारी जिप, गोंदिया